नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रयास को जिलाधिकारी विवेक भीमनवार ने सराहा

वर्धा, 17 जून 2019 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के अंतर्गत संचालित समाज कार्य विषय के कुल 75 विद्यार्थियों को महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य-प्रदेश, छत्तीसगढ, दिल्ली और झारखण्ड राज्यों में कार्यरत सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों में प्लेसमेंट किया गया है। वर्धा के पीपुल्स फॉर एनिमल संस्था में वर्धा के जिलाधिकारी विवेक भीमनवार ने भ्रमण किया जिसमें

बी.एस.डब्ल्यू. के विद्यार्थियों द्वारा वन्य जीव संरक्षण एवं पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्य को सराहा और इस तरह के कार्य हेतु प्रेरित भी किया।

जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय एवं समाज कार्य अध्ययन केंद्र की ओर से सामाजिक कार्य की दिशा में किए जा प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर पीपल्स फाफर एनिमल के सचिव आशिष गोस्वामी, विद्यार्थी तथा सदस्य उपस्थित थे।

विदित हो कि समाज कार्य क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम है, जिसमें विद्यार्थियों को प्रत्येक सेमेस्टर में भिन्न-भिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे समाज कार्य की व्यावहारिक गतिविधियों से अवगत हो सकें। साथ ही आने वाले समय में ये विद्यार्थी समाज से जुडी समस्याओं से भलि-भांति परिचित होकर समाज की विभिन्न समस्याओं को ज्ञात कर सुलझाने का भी प्रयास कर सकेंगे । कुल 6 विद्यार्थियों से वर्धा जिले के जल संकट को

ध्यान में रखकर व्यष्टि अध्ययन का कार्य कराया जा रहा है, जिससे वर्तमान समय में वर्धा जिले के जल संकट के मुख्य कारणों को जानकर आवश्यक सुझाव सरकार तथा आमजन के सम्मुख प्रस्तुत किए जा सकें। विद्यार्थियों द्वारा वर्धा में जल संरक्षण एवं संर्वधन हेतु कार्यरत सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों का व्यष्टि अध्ययन एवं वर्धा के जल की स्थिति से सम्बंधित समस्त मीडिया रिपोर्ट (प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक) का भी तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा। केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय छमाही एवं बी.एस.डब्ल्यू. चतुर्थ छमाही के प्रश्नपत्रानुसार समवर्ती क्षेत्र कार्य विषय में 45 दिन का समर प्लेसमेंट आवश्यक है। इसके बिना पाठयक्रम को पूर्ण नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे बताया कि समर प्लेसमेंट का मुख्य उद्धेश्य विद्यार्थियों को संस्थाओं की कार्यप्रणाली से अवगत कराना एवं समाज कार्य की व्यावहारिकी से परिचित कराना है।